S-337

Total Pages : 3 Roll No. .....

BAKA-202/BAKK-202

पूजन एवं देवस्थापन विधान

Bachelor of Arts (BA)

2nd Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. पूजन का महत्त्व प्रतिपादित करते हुए गणपतिऽथर्वशीर्ष पाठ का विस्तृत उल्लेख कीजिए।

2. षोडशोपचार पूजन विधि का वर्णन करें।

3. कलश स्वरूप एवं स्थापन विधि का प्रतिपादन कीजिए।

4. नान्दी श्राद्ध से क्या तात्पर्य है?

5. नवग्रह मण्डल का परिचय देते हुए निर्माण विधान का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. सम्प्रति कर्मकाण्ड की उपयोगिता पर टिप्पणी लिखिए।

2. सूर्य एवं चन्द्र के स्वरूपों का वर्णन कीजिए।

3. प्रत्यधिदेवता एवं पंचलोकपाल का परिचय दीजिए।

4. इन्द्र दिक्पाल का स्वरूप बतलाइए।

5. बौधायनोक्त पुण्याहवाचन की विधि लिखिए।

6. गणेशाम्बिका पूजन विधि का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।

7. वास्तोष्पत्ति एवं क्षेत्रफल का वर्णन कीजिए।

8. स्वानुरोधेन कर्मकाण्ड का प्रयोजन सिद्ध कीजिए।